THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA): (a) and (b). A daily A.C. coach already runs between Delhi and Kalka during summer months. During winter, an A.C. coach runs between Delhi and Kalka tri-weekly and the number of VIPs is less than 5 per month. The overall occupation of the tri-weekly A.C. coach during winter months is only about 50 per cent and does not justify starting a daily service.

(c) Does not arise.

उत्तर प्रदेश में तांबे के निक्षेप

1954. **श्री महाराज सिंह भारती**: क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश में पिथौरागढ़ में बढ़िया किस्म के तांबे की सिलों के विशाल निक्षेप का पता लगा है;

(ख) यदि हां, तो उनको निकालने के लिये सरकार द्वारा बनाये गये कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है;

(ग) वहां पर बिजली सप्लाई करने के लिए किस स्थान पर तथा कितनी बिजली पैदा की जायगी; और

(घ) क्या वहां पर ही तांबे की सिलों से तांबा निकाला जायगा अथवा इस कार्य के लिये सिलों को मैदानों में ले जाया जायेगा?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्री (डा० श्रीमती रेड्डी): (क) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने पिथौरागढ़ में अभी तक जो अनुसंधान किये हैं उनसे तांबा अयस्क के किसी विदोहन योग्य निक्षेप का पता नहीं चला है।

(ख) से (घ). प्रश्न उत्पन्न नहीं होते।

कोयले का निक्षेप

1955. **श्री महाराज सिंह भारती**: क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत में अच्छी किस्म के कोयले के कितने टन भंडार हैं;

(ख) ये भंडार विकासशील भारत की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिये कितने वर्ष के लिये पर्याप्त होंगे;

(ग) इस बारे में इसके बाद क्या व्यवस्था करने का विचार है; और

(घ) क्या दीर्घकालीन आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सरकार ने कोयले की खपत कम करने तथा इसके स्थान पर शक्ति के किसी अन्य साधन को काम में लाने के लिये कोई कार्यक्रम बनाया है?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्र० चं० सेठी): (क) से (घ). उच्च कोटि के कोयले के आरक्षण, जोकि घोषित प्रवर श्रेणी जैसे हैं, 1,370 मिलियन टन के लगभग है। वर्तमान उत्पादन स्तर पर यह आरक्षण 50 से 60 वर्ष तक चलने की आशा है। विशेषतया कोकिंग कोयला सुरक्षित रखने के लिये और बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिये, कई प्रकार के साधनों, जैसे कि धोना और संमिश्रण करना, का आश्रय लिया गया है। नये संसाधनों को प्रमाणित करने के लिये समन्वेषण और उच्च कोटियों को सुरक्षित रखने के लिये वैज्ञानिक उपयोग पर निरन्तर ध्यान दिया जा रहा है। उच्च कोटि के कोकिंग कोयले के उपयोग कम करने का काम, विशेषतया, हाथ में है। इस सम्बन्ध में वाणिज्यिक संभावनाएं अभी स्थापित नहीं हुई हैं, यद्यपि प्रयत्न जारी हैं।

मुंगेर रेलवे स्टेशन के निकट चलती गाड़ी में गोली चलने की घटना

1956. **श्री ओंकार लाल बेरवा**: क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 27 जनवरी, 1968 को समाचारपत्रों में छपा यह समाचार सही है कि मुंगेर रेलवे स्टेशन के निकट एक चलती हुई रेलगाड़ी में एक महिला तथा दो पुरुषों की

गोली से हत्या कर दी गई थी और उनका सामान लूट लिया गया था ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस मामले की कोई जांच कराई है; और

(ग) यदि हां, तो जांच के क्या परिणाम निकले हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जमालपुर, किऊल या भागलपुर की रेलवे पुलिस को अब तक इस तरह की घटना की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता।

रेल दुर्घटनाओं की जांच करने के लिये आयोग

1957. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने रेल दुर्घटनाओं की जांच करने के लिये एक आयोग बनाया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या उस आयोग ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया है ; और

(ग) यदि हां, तो उसमें क्या-क्या मुख्य सिफारिशें की गई हैं ।

रेलवे-मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी नहीं । फिर भी भारतीय रेल अधिनियम, 1890 की धारा 4 के अधीन नियुक्त रेलों के निरीक्षक अपने सांविधिक कर्त्तव्यों का पालन करते आ रहे हैं जिसमें रेल दुर्घटनाओं के कारणों की जांच करना शामिल है, विशेषकर उन दुर्घटनाओं की जांच करना जिसमें सवारी ढोने वाली गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त होती हैं और जिसमें जन जीवन की हानि होती है या सख्त चोटें पहुंचती हैं अथवा रेल-सम्पत्ति को गंभीर क्षत्ति पहुंचती है। रेल दुर्घटना समिति 1962 (कुंजरू समिति) की सिफारिशों के अनुसार रेल निरीक्षालय का नाम बदलकर रेल संरक्षा आयोग कर दिया गया है ।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता ।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर शैड

1958. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अब अनेक रेल गाड़ियां रुकती हैं ;

(ख) यदि हां, तो प्लेटफार्म संख्या 4 और 5 पर शैड बनाने के लिये क्या प्रबन्ध किया गया है; और

(ग) शैड बनाने में कितना समय लगने की सम्भावना है ?

रेलवे-मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी हां ।

(ख) इन प्लेटफार्मों पर शैड की व्यवस्था करने के प्रस्तावों की जांच की जा रही है ।

(ग) इन प्लेटफार्मों पर शैड लगवाने में कितना समय लगेगा, इस समय इस सम्बन्ध में कुछ बताना सम्भव नहीं है, क्योंकि इस काम की अभी मंजूरी नहीं दी गयी है । यदि रेल उपयोगकर्ता सुविधा समिति इसका अनुमोदन करे और रकम उपलब्ध हो; तो इस काम को भावी निर्माण कार्यक्रमों में शामिल किया जायेगा ।

राजस्थान की खानें जिनसे धातु नहीं निकाले गए

1959. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या **इस्पात, खान तथा धातु** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में कोटा और बूंदी की पहाड़ियों की खानों